मध्य प्रदेश शासन
पशु पालन एवं डेयरी विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन,भोपाल–462004

अपर मुख्य सचिव, म.प्र. शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग की अध्यक्षता में **स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ अवसर पर "आजादी का अमृत महोत्सव"** अंतर्गत आयोजित बैठक दिनांक 17.09.2021 का कार्यवाही विवरण।

"आजादी का अमृत महोत्सव" अंतर्गत समस्त विभागों के द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम, उपलब्धि तथा की जाने वाली गतिविधियों के निर्धारण के संबंध में मुख्य सचिव महोदय म.प्र. शासन की अध्यक्षता में दिनांक 16 सितम्बर 2021 को ली गई बैठक के अनुक्रम में अपर मुख्य सचिव, म.प्र.शासन, पशुपालन एवं डेयरी की अध्यक्षता में बैठक दिनांक 17.09.2021 को आयोजित की गई। बैठक में निम्नानुसार अधिकारी उपस्थित रहेः–

1 डॉ आर.के.मेहिया संचालक पशुपालन एवं डेयरी म.प्र.भोपाल
2 श्री शमीम उद्दीन, प्रबंध संचालक,एमपीसीडीएफ,भोपाल
3 डॉ एच.बी.एस.भदौरिया, प्रबंध संचालक,म.प्र.राज्य प. एवं कु. विकास निगम भोपाल एवं संचालनालय, एमपीसीडीएफ तथा म.प्र.राज्य प. एवं कु. विकास निगम से संबधित अधिकारीगण।

"आजादी का अमृत महोत्सव" की विस्तृत जानकारी उपरांत पशुपालन एवं डेयरी विभाग के द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम, उपलब्धि तथा की जाने वाली गतिविधियों के निर्धारण के संबंध में निम्नानुसार निर्णय/निर्देश दिये गयेः–

- विभाग हेतु नोडल अधिकारी डॉ मनीष सिंह, अतिरिक्त उपसंचालक,संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी का नामांकन किया जावे।
- विभाग अंतर्गत मुख्यतः तीन बिन्दुओं क्रमशः 75 वर्ष की उपलब्धियां, 75 वें वर्ष पर संकल्प तथा 75 वें वर्ष में गतिविधियां पर कार्य किया जाना है।

1) 75 वर्ष की उपलब्धियां

- दुग्ध एवं दुग्ध प्रसंस्करण में सहकारिता का विकास।
- पशु उपचार की सुविधाएं, कृत्रिम गर्भाधान की सुविधाएं।
- दुग्ध,अंडा तथा मांस के उत्पादन में तुलनात्मक उपलब्धि तथा अर्थव्यवस्था में योगदान।
- पशुपालन में महिलाओं की विशेष भूमिका तथा दुग्ध सहकारी समितियों में सहभागिता।

2) 75 वें वर्ष पर संकल्प

- आर्थिक तथा सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को पशुपालन गतिविधियों के माध्यम से सुदृढ करना।
- पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि तथा पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार कर प्रत्येक पशुपालक तक पहुंचना।
- युवाओं को पशुपालन के प्रति जागरूक कर उद्यमिता विकास करना।

- सहकारिता के माध्यम से अधिकाधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करना।
- दुग्ध प्रौद्योगिकी पाठयक्रम की स्थापना तथा पशु चिकित्सा तथा विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना।

3) 75 वें वर्ष में गतिविधियां

स्वच्छ भारत अंतर्गत

- स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत गोबर धन योजना
- स्वच्छ दुग्ध उत्पादन

आत्मनिर्भर भारत अंतर्गत

- हरे चारे की उपलब्धता हेतु चारा–उत्पादन के रकबे में वृद्धि।
- मौजूदा वीर्य भण्डार केन्द्रों को मजबूत करना और नये वीर्य भण्डार स्टोर स्थापित कर जमे वीर्य का स्टॉक बढ़ाना।
- पशुओं की उच्च उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिये भ्रूण हस्तांतरण तकनीक (ETT) और सॉर्टेड वीर्य तकनीक (SST), उन्नत तकनीकों का उपयोग करना।
- कृत्रिम गर्भाधान के कवरेज में वृद्धि करना तथा निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
- नंदीशाला योजना के विस्तार के माध्यम से देशी दुधारू पशुओं में प्राकृतिक गर्भाधान को बढ़ावा देना।
- योजनाओं में सुधार करना जिनके तहत दुधारू पशुओं, बकरियों, सूअरों, मुर्गों आदि के लिये अभी सब्सिडी प्रदान की जाती है। उन्हें अधिक व्यवहार्य और अधिक रोज़गार सृजन केन्द्रित बनाना।
- पॉल्ट्री इकाइयों पर लगाये गये बिजली शुल्क का पुनर्मूल्यांकन करना और अण्डे एवं चिकन के लिये मूल्य श्रृंखला प्रदान कर पॉल्ट्री उद्योग को बढ़ावा देना।
- बैकयार्ड पॉल्ट्री को बढ़ावा देना एवं मूल्य श्रृंखला तैयार करने हेतु सहयोग उपलब्ध कराना।
- ज्ञान पोर्टल (Knowledge Portal) और युवा संवाद (Yuva Samvad) के माध्यम से पशुपालन क्षेत्र में युवाओं को आकर्षित करना
- 2.90 करोड़ पशुओं का प्रत्येक साल में 2 बार एफएमडी टीकाकरण (FMD Vaccination)
- पशुपालन में संलग्न 3 लाख पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड Kisan Credit Card (KCC) प्रदाय करना
- मिशन मोड में अनुत्पादक सांड़ों का शत प्रतिशत बधियाकरण करना।
- पायलट आधार पर बकरियों के कृत्रिम गर्भाधान की शुरुआत
- 800 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन करना
- 500 लीटर से अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाली सभी सहकारी डेयरी इकाइयों में स्वचालित इकाइयां स्थापित की जायेंगी
- 50 से अधिक सदस्यों वाली समस्त प्राथमिक सहकारी दुग्ध समितियों को इलेक्ट्रॉनिक दुग्ध विश्लेषक (म्समबजतवदपब डपसा ।दंसलेमते) प्रदाय करना
- नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय अंतर्गत डेयरी प्रौद्योगिकी कॉलेजों की स्थापना

स्किल इंडिया

- युवाओं को मैत्री योजनान्तर्गत प्रशिक्षित करना।
- एमपीसीडीएफ अंतर्गत आईटीआई प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण

डिजिटल इंडिया

- समस्त गौ–भैंस वंशीय पशुओं,भेड–बकरी,सुकर का युनिक आई से टैग उपरांत डिजिटल रिकार्ड संधारित करना।
- कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण, बधियाकरण आदि समस्त कार्यो की मॉनिटरिंग ऑनलाइन करना।
- विभागीय वेबसाइट तथा अन्य डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से जनसमुदाय तक पहुंच।
- ईआरपी माड्युल के माध्यम से कार्य।

राज्य में विभाग के प्रतिष्ठित कार्यक्रम(ऑइकॉनिक प्रोग्राम)

- जन सामान्य की भागीदारी,जनसहयोंग तथा व्यापक प्रचार–प्रसार कर शतप्रतिशत बधियाकरण अभियान।
- संपुर्ण राज्य में पशु चिकित्सा उपचार शिविर।
- संपुर्ण राज्य में युवा संवाद,संगोष्ठी तथा प्रदर्शनी का आयोजन।
- राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम, राष्ट्रीय पशुधन मिशन तथा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार–प्रसार तथा कियान्वयन।

उपरोक्तानुसार बिन्दुओं पर की गई गतिविधियों का विवरण 12 मार्च 2021 से तथा की जाने वाली गतिविधियों का केलेण्डर अगस्त 2023 तक दर्ज किया जाना है। इस हेतु जानकारी नोडल अधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

अतः उपरोक्तानुसार कार्यवाही कर की गई कार्यवाही से अवगत कराना सुनिश्चित करें।

(जे.एन.कांसोटिया)
अपर मुख्य सचिव
मध्यप्रदेश शासन
पशु पालन एवं डेयरी विभाग

पृ.क्रमांक- 2396 / 3430 / 2021 / 35 भोपाल दिनांक, 20 सितम्बर 2021

(1) संचालक, पशुपालन एवं डेयरी म.प्र.भोपाल।
(2) प्रबंध संचालक, एमपीसीडीएफ, भोपाल।
(3) प्रबंध संचालक, म.प्र.राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम भोपाल।
(4) प्रबंध संचालक, म.प्र.गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड म.प्र.भोपाल।

अपर मुख्य सचिव
मध्यप्रदेश शासन
पशु पालन एवं डेयरी विभाग